जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 07 अगस्त 2019

जामिया में प्लेनेटरी पोस्टमीडिया स्टडीज़ पर स्पार्क-एमएचआरडी की वर्कशॉप

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एसपीएआरसी-एमएचआरडी के तहत ‘‘ प्लेनेटरी पोस्टमीडिया स्टडीज़ः डिसेन्सस, डायग्राम एंड डिस्प्शन‘‘ पर, 06 अगस्त 2019 को मीर अनीस हाल में दो हफ्ते की वर्कशॉप का उद्घाटन हुआ। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस :सीसीएमजीः ने इसके पाठ्यक्रम को तय किया है। यह वर्कशॉप 24 अगस्त, 2019 तक चलेगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय अपनी स्पार्क योजना के तहत इस वर्कशॉप को समर्थन दे रहा है।

इस वर्कशाप का मक़सद समकालीन पोस्टमीडिया प्रथाओं का, देउलुज़े और गुआतारी के नज़रिए से, गहन अध्ययन करना है। सीसीएमजी के निदेशक और स्पार्क-एमएचआरडी के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर:पीआईः, प्रो बिस्वाजीत दास ने वर्कशॉप के उद्घाटन के मौक़े पर कहा कि इस सेंटर ने कम्युनिकेशन स्टडीज़ में बुनियादी रिसर्च को हमेशा तवज्जो दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये वर्कशॉप नए मीडिया और उसकी बारीकियों के बारे में, बड़ी तादाद में छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित करेगी। उन्होंने कहा कि मीडिया में कोई भी चर्चा, घटना और उसके नतीजों के बारे में होती है। लेकिन ‘‘क्यों, कैसे और क्या ‘‘ के पहलुओं पर शायद ही चर्चा होती हो। उन्होंने कहा, यह वर्कशॉप, छात्रों में नए मीडिया के प्रति समालोचानत्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने को बढ़ावा देगी।

प्रो दास ने, वर्कशॉप के दो इंटरनेशनल इन्स्ट्रक्टर्स: दक्षिण कोरिया की क्यूंग ही यूनिवर्सिटी के डा. अलेक्स ताक-ग्वांग ली, जो कि स्पार्क-एमएचआरडी के इंटरनेशनल पीआई भी हैं, और जापान की टिकियो यूनिवर्सिटी, के डा. जॉफ पी.एन. ब्राडले का स्वागत किया। डा ब्राडले भी स्पार्क-एचएचआरडी प्रोजेक्ट के इंटरनेशल को-पीआई हैं।

सीसीएमजी में एसिस्टेंट प्रोफेसर और स्पार्क-एमएचआरडी के भारत के को-पीआई, डा. मनोज एन वाई ने इस वर्कशॉप के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मीडिया और कम्युनिकेशन स्टडीज़ आज जिन मुश्किलों का सामना कर रही है, जामिया का यह पोस्टमीडिया प्रोजेक्ट उनका हल ढूंढने में, पारंपरिक सोच से आगे निकल कर विचार करेगा। प्रो ली ने कहा, हम इस वक़्त दुनिया भर में एक बहुत बड़े बदलाव और संकट का सामना कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया की यह वर्कशॉप इन हालात पर मंथन करके, भारत, जापान और कोरिया में एक बेहतर मुस्तक़बिल का रास्ता बताएगी।

प्रो ब्रैडली ने कहा, दिल्ली आकर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के साथ मिलकर, भारत के संदर्भ में पोस्टमीडिया के नए मायने तलाशने की संभावनाओं को लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में टेक्नालजी और नई अवधारणाओं ने संचार की भूमिका काफी बदल दी है। इसमें इंसान की वस्तुपरकता की धारणा भी फिर से परिभाषित हो रही है। इससे तकनीक और समय को लेकर, कुछ प्रासंगिक चिंताए और सवाल भी उभरे हैं। ऐसे में नए हालात का आलोचनात्मक अध्ययन करना बहुत ज़रूरी हो गया है।

इस कार्यक्रम में सेंटर के अध्यापकों और छात्रों के अलावा, दूसरे विभागों और केन्द्रों के लोगों ने भी हिस्सा लिया। सीसीएमजी की प्रोफेसर, डा. साईमा सईद के धन्यवाद भाषण से, उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक